अन्तर्वासना की प्रशंसिका की लेखक से मुलाकात-1

“मेरी बुर की पहली चुदाई के 5 साल के बाद मेरा जिस्म राहुल की कहानी को पढ़ कर वही सब फिर से मांगने लगा, मैंने राहुल को मेल किया.. मुझे उनका रिप्लाई भी तुरंत आया ! …”

Story By: Rahul srivastav (rahulsrivas)
Posted: Saturday, March 25th, 2017
Categories: कोई मिल गया
Online version: अन्तर्वासना की प्रशंसिका की लेखक से मुलाकात-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अन्तर्वासना की प्रशंसिका की लेखक से मुलाकात-1

मेरी कहानी
अन्तर्वासना की प्रशंसिका की बुर की पहली चुदाई
के तीन भाग आपने पढ़े, अब मैं बताऊँगी कि इस घटना के 5 साल के बाद मेरा जिस्म राहुल जी की कहानी को पढ़ कर वही सब फिर से मांगने लगा। तब मैंने राहुल को ईमेल किया.. और मुझे उनका रिप्लाई भी तुरंत आया, फिर काफी दिन तक मैंने उनसे बात की।

राहुल… एक बिंदास सेक्स स्टोरी राइटर मेरे से उम्र में बड़ा था, लंबा था स्लिम बॉडी था, थोड़ा पेट भी निकला था, हाइट करीब 5’11” काली आँखें, गोरा रंग, कुल मिला कर मुझे पसंद आया। मुझे वैसे भी मुझे अपनी उम्र से बड़े लड़के या मर्द अच्छे लगते हैं तो मैं उसके साथ कॉम्फ़र्टेबल थी… मुझे उसकी उम्र से कुछ लेना देना नहीं था, मुझे यह देखना था कि वो मुझे कितनी प्यार से और केयर के साथ भोगेगा।
राहुल का हर अंदाज़ मुझे पसंद आया क्योंकि वो बिल्कुल मेरे जैसे था बेफिक्र, बेख़ौफ़ और बिंदास..

उसके बाद हम दोनों ने हैंगआउट पर बात शुरू की.. कुछ ही समय में मैं उनके सामने एक खुली किताब की तरह थी जिसके 22 सावन को वो पढ़ चुके थे, मेरे जीवन की हर छोटी बड़ी बात वो जानते थे।
राहुल ने कभी भी मेरे से कोई भी गलत बात नहीं की, वो बहुत प्यार से मेरी बात सुनता या यों कहें कि मेरी बकवास सुनता और बहुत प्यार से और ठंडे दिमाग से रिप्लाई करता!

मैं पूरा पूरा दिन उनको मैसेज भेजती और वो रिप्लाई भी करते.. कभी भी गुस्सा नहीं

करते ।मैं उनको पसंद करने लगी थी।

उसके बाद हम फ़ोन पर आ गए और मेरा दिल राहुल से मिलने को करने लगा। आप यह कह सकते हैं कि मैं बहुत ही एक्ससिटेड थी कि मैं एक ऐसी इंसान को जानती हूँ जो कहानी लिखता है।

राहुल की तरफ मैं आकर्षित थी और मैंने दिल में सोच लिया था कि राहुल वो दूसरा इंसान होगा को मुझे नंगी, मेरे जिस्म को नंगा देखेगा।
मुझे उनसे कोई प्यार नहीं था, बस चाहत थी कि क्या कोई सचमुच किसी लड़की को इतनी प्यार से केयर के साथ भोग सकता है।

राहुल के साथ जब भी फ़ोन पर बात की उसकी साथ सेक्स की कोई भी बात नहीं की।
हैंगआउट पर जरूर सेक्सी बात या सेक्स चैट हम करते थे… इन्तजार था मिलने का पर कैसे ?

मैं यह बात जानती थी कि राहुल मना नहीं करेगा मिलने के लिए… पर पहल कौन करे ?
मुझे यह बात भी पता थी कि राहुल दिल्ली बहुत आता है अपने ऑफिस के काम से !
ऐसे ही एक दिन मैंने राहुल को बोला- आप अब जब भी दिल्ली आओ तो मुझ बताना !
राहुल- क्यों ?
ऋचा- बस यूँ ही.. शायद हम साथ कॉफ़ी पीयें !
राहुल- ओके !

ऐसे में कुछ दिन या ये कहिये कि महीना गुजर गया, मुझे लगा कि राहुल मिलना नहीं चाहता.. या फिर जो वो कह रहा है या अपनी आपको शो कर रहा है, वो दरअसल में है नहीं..
हम दोनों की फ़ोन पर हैंगआउट पर चैट होती रही और एक सुबह…

राहुल- ऋचा, क्या हम तुम आज शाम को CP (कनाट प्लेस) में कॉफ़ी पी सकते हैं ?
मैं राहुल के इस अचानक ऑफर से चौंक सी गई.. पर मैंने ओके कर दिया, मुझे समझ में ही नहीं आ रहा था कि मेरा एक सपना सच होने जा रहा था।

मेरी पहली मुलाकात थी, मेरे अंदर अजब सा रोमांच था, मुझे पता था कि राहुल और मेरे बीच कुछ न कुछ होगा !
पर कैसे.. कौन शुरू करेगा..
बहुत से सवाल मन में थे…

इसी उधेड़बुन में मुझे अपनी आपको तैयार करना था और… अब टाइम था अपनी आपको और बिंदास बनाने का !
मैं पार्लर गई और जब मैं वहाँ से निकली तो मेरे आस पास वाले मुझे घूर घूर के देख रहे थे, ऐसा लग रहा था कि आँखों से चोद देंगे। मैं बला की खूबसूरत लग रही थी, सिल्की सॉफ्ट और ग्लोइंग बॉडी देख कर मैं खुद पर इतरा उठी।

एक बात मैं आपको बता दूँ कि मेरे जिस्म में एक भी दाग नहीं है, मेरे शरीर पर कोई तिल भी नहीं है, गोरा रंग हल्का गुलाबी सा मेरा बदन है।

मैंने उस दिन वन पीस ब्लैक मिडी पहनी जो मेरे घुटनो से थोड़ा ऊपर तक आती थी, अंदर खूबसूरत ब्लैक ब्रा और पैंटी, हल्का मेकअप.. आँखों में काजल, हाई हील ब्लैक सैंडल और उस पर मेरा गोरा चिकना बेदाग बदन !

और फिर उस शाम…

जब मैं वहां पहुँची तो राहुल मेरा इंतज़ार कर रहा था, ब्लैक सूट, टाई, जूते कलीन शेव घनी मूँछ, बाल जरूर बिखेरे बिखरे से थे शायद ऑफिस से सीधा आया था।

राहुल ने मेरा हाथ पकड़ कर हल्के से हग किया और मेरे गाल पर एक सॉफ्ट सा किस और धीरे से कान में बोला- ऋचा, तुम बहुत खूबसूरत लग रही हो ! मेरी उम्मीद से ज्यादा खूबसूरत… मेरी नज़र न लगे तुमको !

ऋचा- थैन्क्स !
सच कहूँ, उसका हाथ पकड़ते ही शरीर में सिहरन से दौड़ गई और उस सादगी भरे चुम्बन ने मेरे जिस्म की आग को भड़का दिया। हम CCD में जाकर बैठ गए।
राहुल ने मुझे एक प्यारी से घड़ी दी… और एक रेड रोज दिया।

मैं उसके इस अंदाज़ पे फ़िदा सी हो गई क्योंकि ये सब मैंने सोचा नहीं था कि कोई अनजान दोस्त इतना महंगा गिफ्ट देगा।
ऋचा- राहुल, ये सब क्या है ? मैं ये सब नहीं ले सकती !

राहुल- ऋचा, यह हमारी पहली मुलाकात की याद दिलाने वाला तोहफा है, मना नहीं करना !
राहुल ने मेरा सॉफ्ट सा हाथ पकड़ कर घड़ी पहना दी… और मैं मना भी नहीं कर पाई।

हम लोगों ने कॉफ़ी आर्डर की और बात करने लगे, कॉफी पीते पीते बहुत सी बात की, राहुल की आँखें मेरे को ही घूर रही थी, ऐसा लगता था कि उसका बस चले तो वो मुझे अभी बाँहों में में भर कर… आग तो मेरे अंदर भी लग रही थी राहुल को देख कर.. मन मेरा भी कर रहा था !
यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

पर पहल कौन करे ?
राहुल के बार में मेरा जितना अंदाज़ा था, वो सब सच ही निकल रहा था, क्योंकि वो शरीफ था तो थोड़ी हिचक भी थी उसमें पहल करने की !

तब मैंने ही कुछ करने की सोची…

बात बात में मैंने उसकी हाथों में अपना कोमल सा हाथ रख दिया, यह एक इशारा था जिसे राहुल ने बखूबी समझ कर पहल कर दी, उसने मेरा हाथ हाथ में लेकर थोड़े इंतज़ार के बाद सहलाना शुरू कर दिया, सच कहूँ तो मेरे अंदर सिहरन सी हो रही थी, जिसको राहुल ने भी समझा, उसने मेरे आँखों में देख कर कहा- Be comfortable!

मैं सिर्फ मुस्कुरा कर रह गई.. बात यही नहीं रुकी, राहुल ने हाथों से हाथ हटा कर मेरी कमर में हाथ डाल कर अपने और नज़दीक कर लिया.. मैं कुछ कहे बगैर उसके और पास बैठ गई.. मैं उसके बदन के गर्मी महसूस कर रही थी.. मुझे भी कुछ हो रहा था, उसके बदन की खुशबू मेरे को उत्तेजित कर रही थी, मेरा दिल उससे लिपट जाने को कर रहा था थोड़ी झिझक थी मेरे में और पब्लिक प्लेस तो संभव नहीं था।

राहुल ने मेरी आँखों में देखा, उसमें ढेर सा प्यार था… मुझे वो नहीं दिखा, उसकी आँखों में जो हर्ष सर की आँखों में दिखा था 'वासना'उसकी सांसें मेरी गर्दन में महसूस हो रही थी जो मेरे को और उत्तेजित कर रही थी।

मैं बहुत असहज महसूस कर रही थी क्योंकि मेरी पेंटी बहुत गीली हो रही थी। हम इससे ज्यादा वहां कुछ कर नहीं सकते थे तो मैंने कहा- कहीं बाहर चलें ?
राहुल- ओके !

वो बिल पेमेंट करने लगा और मैं वाशरूम में जाकर अपना हाल ठीक करने लगी।

हम दोनों ही एक दूसरे का हाथों में हाथ डाले कनॉट प्लेस में घूम रहे थे और फिर पालिका के ऊपर के गार्डन में जाकर एक बेंच पर बैठ गए। जो लोग दिल्ली के होंगे वो जानते होंगे कि यह जगह कपल्स के लिए बहुत अच्छी है।

अँधेरा हो चला था, आस पास और भी जोड़े अपने साथी की बाँहों में थे। राहुल मेरे बहुत पास था, उसके जिस्म से आती पसीने और परफ्यूम की मिक्स स्मेल मुझे बहुत ही उत्तेजित कर रही थी।

अचानक राहुल के लिप्स को मैंने अपनी गर्दन पर महसूस किया… उम्म्ह… अहह… हय… याह… मेरे मुख से सिसकारी सी निकल गई, मैंने कस कर उसको पकड़ लिया।

उसकी होंठ मेरी गर्दन पर रगड़ खा रहे थे। मैंने उसकी आँखों में देखा और फिर आँखें बंद कर ली। मैंने उसको पूरी छूट दे दी थी। राहुल के हाथ मेरी मखमली जांघों को सहलाने लगे- आअह्ह ह्ह्ह राहुल… आह्ह… आआह मत करो… कुछ हो रहा है हमें ! आअह्ह ह्ह्ह राहुल क्या कर रहे हओ !
राहुल- तो होने दो न ! मैं भी इतनी देर से कुछ होने के ही इंतज़ार में हूँ… तुम बहुत ही खूबसूरत हो, मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा !

अब राहुल कुछ सुन नहीं रहा था, वो बस मेरी गर्दन और कान पर किस किये जा रहा था। मैं भी बेकाबू हो रही थी, मेरी गर्दन और मेरे कान मेरे सेंसटिव पार्ट है, पर जगह ठीक नहीं थी तो मैंने उसकी कान में धीरे से कहा- राहुल.. बस करो, कोई देख लेगा प्लीज.. यह जगह ठीक नहीं है।

राहुल को भी समझ में आ गया और उसने मुझे छोड़ दिया पर उसकी चेहरे से ऐसा लग रहा था कि जैसे किसी भूखे के सामने से खाने से भरी थाली हटा दी हो।

राहुल- सॉरी ऋचा, तुम हो इतनी खूबसूरत कि मैं काबू नहीं कर पाया !
मैं- Its OK राहुल… मुझे अच्छा लगा !
कह कर मैंने अपनी सहमति भी दे दी।

राहुल- कहीं और चलें ?
ऋचा- कहाँ ?
राहुल- तुम बताओ, तुम्हारा शहर है ?
ऋचा- हम्म, तुम जहाँ चाहो… मैं चल सकती हूँ।

राहुल- तुमको घर जाना होगा !
ऋचा- मैं बोल के आई हूँ कि एक फ्रेंड की बर्थडे पार्टी में जा रही हूँ।

उस समय शाम कोई सात या आठ बज रहे थे… मेरे पास करीब 4 घंटे थे।
राहुल- मेरे होटल चलें अगर तुमको ठीक लगे ?
ऋचा- हम्म !
थोड़ा सोचने का नाटक कर मैंने हाँ कर दी।
राहुल के चेहरे की खुशी देखने लायक थी..

वहां से हमने ऑटो लिया और उसके होटल आ गए।

कहानी जारी रहेगी।
rahulsrivas75@gmail.com

Other stories you may be interested in

हुस्न की जलन बनी चूत की अगन-1

दोस्तो, मेरा नाम राज शर्मा है. मेरी हाइट 5 फुट 8 इंच है और मैं अच्छी पर्सनेलिटी का आदमी हूँ. मैं केवल अपने अनुभव ही लिखता हूँ, जो पाठकों को अच्छे लगते हैं. आज जो कहानी लिख रहा हूँ, यह […]
Full Story >>>

बीमारी ने दिलायी प्यासी भाभी की चूत-5

दोस्तो, मेरी कहानी के पिछले भाग बीमारी ने दिलायी प्यासी भाभी की चूत-4 में अब तक आपने पढ़ा था कि मैं काम के सिलसिले में हैदराबाद गया था. वहां एक रात अचानक एक महिला से मिला और रात उसके साथ […]
Full Story >>>

हवसनामा : सुलगती चूत-4

दोस्तो, मैं पारुल … मैंने अपनी कहानी के पिछले हिस्से में बताया था कि किस तरह मैंने जुगाड़ बना कर दो लोगों से एकसाथ बेहद आक्रामक संभोग किया था लेकिन फिर रघु मुलुक(देश, गाँव, मुल्क) चला गया था तो मैं […]
Full Story >>>

हवसनामा : सुलगती चूत-3

हम दोनों ने उस चरम अवस्था में इतनी जोर से एक दूसरे को भींचा था कि हड्डियां तक कड़कड़ा उठी थीं। थोड़ी देर में संयत होने पर वह उठ कर मुझसे अलग हुआ तो उसका मुरझाया लिंग पुल्ल से बाहर […]
Full Story >>>

हैडमास्टर और स्कूल टीचर का सेक्स

नमस्कार दोस्तो, आज मैं अपनी जीवन से जुड़े कुछ हसीन लम्हों को आपके साथ बाँटने जा रहा हूँ. मेरी उम्र 56 वर्ष है. मैं 5 फ़ीट 8 इंच का हूँ. मेरा वजन लगभग 120 किलो का है. मैं काफी हट्टा […]
Full Story >>>